रजिस्टर्ड/सील्ड

उत्तर प्रदेश शासन

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2

संख्या-61/2019/1375/22-2-2019-17(709)/2019

लखनऊ: दिनांक: 04 जून, 2019

आदेश

उत्तर प्रदेश के मा0 राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए **केन्द्रीय कारागार, आगरा** के सिद्धदोष **बन्दी दौजीराम (बन्दी संख्या-11920) पुत्र श्री दीपचन्द, जो-बसई भदौरिया, थाना-बसइ अरेला, जनपद-आगरा** का रहने वाला है, जिन्हें **सत्र परीक्षण संख्या-682/2003** के अन्तर्गत भारतीय दण्ड विधान की **धारा-302/34, 323/34, 504, 506(2)** के अधीन **दिनांक 06.07.2006** को **मा0 द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, आगरा** द्वारा **आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित** किया गया, की 14 वर्ष 01 माह 11 दिन काटी गयी अपरिहार सजा, संतोषजनक जेल आचरण एवं जिला मजिस्ट्रेट/वरिष्ठ पुसिल अधीक्षक द्वारा की गयी रिहाई की संस्तुति के दृष्टिगत शेष सजा का परिहार करते हैं] तथा यह आदेश देते हैं कि यदि उक्त बन्दी को किसी अन्य वाद में निरूद्ध रखा जाना वांछित न हो तो उसे अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए **जिला मजिस्ट्रेट, आगरा** के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

संख्या-62/2019/1375(1)/22-2-2019 तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- अपर पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2- जिला मजिस्ट्रेट, आगरा।
3- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आगरा।
4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

करूणेश कुमार सिंह
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in